

फर्द अहकाम

(नियम 15)

अज अदालत- उपखण्ड अधिकारी, मुकाम सोजत

वादीगण
मिनीलाल लखनवाड़ी
पति माली, लोपहर, हनुमानपुर

बनाम

प्रतिवादीगण
दीश लाल मुखर्जी
पति माली र. लोपहर

किस्म मुकदमा :- राजस्व वाद अन्तर्गत धारा 88, 92, 188 आर.टी.एक्ट 1955, मु.नं.: 33/2020
 188

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नंबर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामीम में जारी हुआ।
14/08/20	वकील वादीगण उपस्थित। वकील वादीगण ने राजस्व वाद अन्तर्गत धारा 88, 92, 188आर.टी.एक्ट. 1955 के तहत विरुद्ध प्रतिवादीगण के पेश किया है। राजस्व वाद दर्ज रजिस्टर किया जावे। प्रतिवादीगण को जरिये समन/नोटिसेज तलब किया जाकर पत्रावली आयन्दा दिनांक 22/10/20 को पेश हो। उप खण्ड अधिकारी, सोजत	361 17/8/20
22/10/20	अधिवक्ता वकील उपर। अधिवक्ता वकील उपर, मा. नि. दी. प्रति खण्ड 1, 5, 6 व 7 तथा 8 से 11, 15 व 18 की प्रति से की प्रेम्स चोचरी अधिवक्ता ने वकालत पेश की मा. नि. दी. अधिवक्ता खण्ड 2, 11 व 15 की वकालत लम्बे / लम्बे वकालत प्राणजे दिनांक 22/10/20 की अनुपस्थिति 22/10/20 को अधिवक्ता वकील उपर 12, 13, 16 व 17 की वकालत अधिवक्ता वकालत पेश से जिये जिये हेतु तलबना 18/11/20 पेश करे। जेरा धर्न वकालत पत्रावली आयन्दा दिनांक 31/11 को पेश हो। उप खण्ड अधिकारी, सोजत	300 302
05/01/2021	अधिवक्ता उपर। अधिवक्ता मय वादीगण उपर। अधिवक्ता मय वादीगण ने प्रा यथा नागत वाद अन्तर्गत धारा 88, 92A, 188 राजस्व वाद अधिनियम 1955 को जरिये विशेष शब्द फर्माने का पेश किया, 3 सा. नि. हो। अधिवक्ता वादीगण मय वादीगण ने अधिवक्ता हाजा में फर्माना पेश करके उक्त वकालत पेश किया है कि सरद मेजा सोजत वक 11 के खण्ड 3254 खण्ड 0.6400 ई. में हम वादीगण	

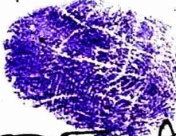
तारीख हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जंज

नंबर व तारीख
अहकाम जो हुकम की तामीम जारी हुआ।

का 1/2 हिस्से पर हय हमारे बिना चन्ना पुठ लच्छा का कमी
की कृपया कार्यरत नही रहा। उक्त कृषि भूमि क्षेत्राज
पुठ हिसा जी के हय 991 रुपये में फिना 12/02/65
को खरीद की गई थी। जिसके आधार पर नामसुपकरण
संख्या 183 खीकृत खीकृत गिरीया, जो सही है। वही
गज एवं परिवारीपण के बीच लेप प्रदासत की तामन
ये खरीनामा हो चुका है। वही गज उक्त प्रस्तुत वाद
को आरो चखना नही चाहते है तथा वाद को जारिये
विशेष खारिज करना चाहते है। इस आद जर्ना
म नि मी 1955 पर प्रस्तुत कर वाद को जारिये विशेष खारिज
दिये जाने की इतयुक्त की है।

नामो हय
डा. एम. ए. ए.



पहला

Keynotes
at

अतः अधिवक्ता मंत्र वादीपण हय प्रस्तुत वाद का
धरा 88, 92A, 188 राजस्थान कायल्ले खारिनीय
1955 को जारिये विशेष खारिज करने के कार्य पर
हय इत हेतु आदेशना पर किये गये अर्थात् के आद
पर वादीपण मंत्र अधिवक्ता हय प्रस्तुत वाद को
जारिये विशेष खारिज किया जा रहा है। जखली के हय
सुमार देकर गज से कर है। वाद तामिल लच्छ
दाखिल दफतर / लेख्य प्रस्तुत जमा हो।

8/10
रूप हय धारिकारी
जंज (विधा-गरी) कय